Patrika (Indore), 03rd July 2024, Page - 02

महत्वपूर्ण उपलब्धि

वायरल काउंटर पार्ट की प्राइमरी पहचान के साथ एंटी बॉडी आधारित जांच

अल्जाइमर बीमारी का अब शुरुआती स्टेज में ही लग सकेगा पता

आइआइटी इंदौर में तैयार की गई है एक विशेष किट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर ने एक नई खोज कर चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इससे भविष्य में अल्जाइमर रोग के निदान और उपचार में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है। इस खोज से उन लोगों की स्क्रीनिंग की जा सकेगी, जो एपस्टीन-बार वायरस के कारण अल्जाइमर रोग से ग्रस्त हो सकते हैं या इसके शिकार हो सकते हैं। यह किट प्रारंभिक चरण में ही रोग की पहचान कर लेगी, जिससे समय पर उपचार संभव हो सकेगा और रोग की प्रगति को रोका जा सकेगा।

बायोसाइंस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. हेमचंद्र झा ने एक किट तैयार की है, जो अल्जाइमर रोग के प्रारंभिक चरण का पता लगाने में सक्षम है। वह बताते हैं कि अल्जाइमर रोग आमतौर पर वृद्ध लोगों को प्रभावित करता है। ऐसे में जैसे-जैसे वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ती जएगी, यह बीमारी भी बढ़ती जाएगी। अल्जाइमर कभी भी अचानक नहीं होती है। इसे डेवलप होने में सालों लगते हैं। इसका कोई इलाज नहीं है, लेकिन कुछ दवाएं और उपचार अस्थायी रूप से लक्षणों को प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए हमने एक ऐसी किट तैयार की है, जो शुरुआती स्टेज में अल्जाइमर का पता लेगी, जिससे इसे रोकने में मदद मिलेगी।

पेटेंट मिला, जल्द बाजार में उपलब्ध होगी

यह किट वायरल काउंटरपार्ट की प्राइमरी पहचान के साथ-साथ स्क्रीनिंग के लिए एंटीबॉडी आधारित जांच करती है। अल्जाइमर के लिए कोई स्क्रीनिंग विधि उपलब्ध नहीं है। यह रोग धीरे-धीरे बढ़ता है, इसका पता शुरुआती तौर पर लगना लाभकारी होगा। साथ ही अल्जाइमर के इलाज के तरीके में भी सुधार होगा। इसका पेटेंट हमें मिला है, जल्द ही हम इसे मेडिकल क्षेत्र में उपलब्ध करवाएंगे।